

प्रयक

वी० आर० टम्बर
अपर सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

आवकारी आयुक्त,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

आवकारी अनुमाग

देहरादून: दिनांक: 16 अप्रैल, 2009।

विषय :-

वित्तीय वर्ष 2009-10 के लेखानुदान की धनराशि स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या 208(1)/XXVII(1)/2009 दिनांक 25 मार्च, 2009 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 के 04 माह (01 अप्रैल, 2009 से 31 जुलाई, 2009 तक के लिये) के लेखानुदान हेतु 03-अधिष्ठान मद के अन्तर्गत आवंटित धनराशि में से रूपये 38,97,000/- (रूपये अठतीस लाख सतानब्बे हजार मात्र) निम्नलिखित विवरणानुसार अगलिखित प्रतिबन्धों एवं शर्तों के तहत व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

क्रम संख्या	मद	धनराशि (हजार रुपये में)
01.	01 - वेतन	2667
02.	03 - महंगाई भत्ता	587
03.	06 - अन्य भत्ते	293
04.	08 - विद्युत देय	33
05.	10 - जलकर/जल प्रभार	17
06.	13 - टेलीफोन पर व्यय	87
07.	15 - गाड़ियों का अनुक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	233
योग :-		3897

2. छठे वेतन आयोग की संसुतियों के लागू होने के पश्चात् वित्तीय वर्ष 2009-10 में देय 30 प्रतिशत एरियर की धनराशि, जो कर्मचारियों की सामान्य भविष्य निधि खाते में डाली जानी है, का भुगतान 01 अप्रैल, 2009 से 31 जुलाई, 2009 तक के लेखानुदान द्वारा प्राविष्टानित धनराशि से नहीं किया जायेगा तथा वित्तीय वर्ष 2008-09 में देय 40 प्रतिशत वेतन एवं भत्तों के एरियर की धनराशि यदि किसी कारणवश सामान्य भविष्य निधि खाते में नहीं डाली जा सकी हो तो उसका भुगतान भी माह जुलाई, 2009 के बाद ही किया जायेगा। यह प्रतिबन्ध सेवानिवृत्त होने वाले अथवा अन्य कारणों से सेवा में बने न रहने वाले कर्मिकों के सम्बन्ध में नहीं रहेगा।

3. व्यय तन्ही मदों में किया जायेगा, जिसके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।

4. मासिक व्यय विवरण वी०एम०-13 पर नियमित रूप से प्रत्येक माह की 05 तारीख तक शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करे।

5. व्यय करते समय शासन द्वारा मितव्ययिता के विषय में निर्गत आदेश, स्टोर धरचेज कलस, गजट मैन्युअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका आदि नियमों का अनुपालन किया जाएगा।

6. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार आवश्यक मदों पर की किया जायेगा तथा व्यय की मितव्ययिता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये समस्त शारानादेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।



क्रमशः.....2

7. इस सम्बन्ध में होने वाला व्ष वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-08 के लेखा शीर्षक 2009-राज्य उत्पादन शुल्क, 001-निर्देशन तथा प्रसारण, 03-अभिधान के अधीन सुसंगत इपवर्डों के नामे डाला जायेगा।

भवदीय

बी० आर० टम्टा
अपर सचिव

संख्या: 303(i)/XXIII/09/64/2008 तदुद्दिष्ट।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय भवन, माजरा, देहरादून।
2. समस्त परिषद् कौषाधिकारी/कौषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
3. वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
4. निर्देशक, एन०आई०सी० उत्तराखण्ड, सचिवालय परिसर, देहरादून।
5. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
6. गार्ड फाइल।

आज्ञा से

(ओ० पी० तिवारी)
उप सचिव